No. of Printed Pages/Questions: 3/5

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Periodic Test - I (2023 – 2024)

Class -VII **MM:20**

Subject: HINDI **Time: 1 Hr**

Name: _____________ Roll No.:__________

General Instructions: All questions are compulsory

प्रश्न 1 नीचे दिए गए अपठित गद्यांश को ध्यान से पढिए और उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर का चयन दिए गए विकल्प में से कीजिए- **1X4=4**

पराधीन व्यक्ति को सपने में भी सुख प्राप्त नहीं होता। पराधीनता मानव के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है। स्वतंत्रता के अभाव में मानव का पूर्ण विकास संभव ही नहीं है। पराधीन व्यक्ति अकर्मण्य हो जाता है क्योंकि उसमें आत्मविश्वास खत्म हो जाता है। उसका बौद्धिक विकास रूक जाता है। पराधीन व्यक्ति भौतिक सुखों को ही सब कुछ मान बैठता है और कई बार तो वह इनसे भी वंचित रहता है। पराधीनता व्यक्ति के बौद्धिक ह्रास के लिए जिम्मेदार है। उसके सोचने-समझने की शक्ति समाप्त हो जाती है।उसकी सृजनात्मक क्षमता भी धीरे-धीरे लुप्त होती चली जाती है। इस संसार में स्वाधीन बनकर जीना सीखो।

पराधीनता की स्थिति में न केवल व्यक्ति ही, बल्कि राष्ट्र भी अपना विकास नहीं कर पाता है। एक पराधीन राष्ट्र की जनता किसी भी स्थिति में सुखी नहीं हो सकती है। किसी राष्ट्र के पराधीनता की स्थिति में होने पर उसके जनमानस का विकास रूक जाता है। विश्व का इतिहास इस बात का प्रमाण है कि पराधीन राष्ट्रों को, स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए रक्त-रंजित संघर्ष करने पडे, अपार जन-धन की हानि उठानी पड़ी तब कहीं जाकर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए रक्त-रंजित संघर्ष करने पड़े, अपार जन-धन की हानि उठानी पड़ी तब कहीं जाकर स्वतंत्रता प्राप्त हुई। इससे स्पष्ट है कि स्वतंत्रता ही विश्व का सर्वोत्कृष्ट सुख है। तभी तो स्वतंत्रता के लिए अनगिनत लोगों ने अपने जीवन का हँस-हँस कर बलिदान दिया एवं आज भी अनेक लोगों अपना जीवन हँस-हँस कर बलिदान करने के लिए तत्पर हैं। इस संबंध में हमारे देश भारत का उदाहरण ध्यान देने योग्य है। हमारा देश भारत जो किसी समय सोने की चिड़िया कहा जाता था, दुर्भाग्यवश पराधीनता की बेडियों में जकड़ गया था। उसे अपनी स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए अनगिनत बलिदान देने पड़े। अनेकों भारतीय, स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए हँसते-हँसते फाँसी के फंदे पर चढ़ गए। स्वाधीनता की कीमत अवश्य चुकानी पड़ती है। स्वाधीनता ही सच्चा सुख है।

(क) किसे मानव-जीवन का अभिशाप बताया गया है?

(1) स्वाधीनता (3) बौद्धिकता

(2) पराधीनता (4) क्षमता

(ख) पराधीन व्यक्ति कैसा हो जाता है?

(1) अकर्मण्य (3) आत्मविश्वासी

(2) कर्मण्य (4) सुखी

(ग) भारत को पहले क्या कहा जाता था?

(1) बलिदानी देश

(3) स्वतंत्रता प्रेमी

(2) सोने की चिड़िया

(4) दुर्भाग्यशाली

(घ) **कथन (A)** स्वतंत्रता के लिए अनगिनत लोगों ने अपने जीवन का हँस-हँस कर बलिदान दिया।

कारण (R) स्वतंत्रता ही विश्व का सर्वोत्कृष्ट सुख है।

(1) कथन (A) की कारण (R) सही व्याख्या नहीं करता है।

(2) कथन (A) की कारण (R) सही व्याख्या करता है।

(3) कथन (A) सही है और कारण (R) गलत है।

(4) कथन (A) गलत है और कारण (R) सही है।

प्रश्न 2 नीचे दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए- **1X4=4**

(क) दीर्घ संधि का उदाहरण है-

(1) नरेंद्र

(3) स्वागत

(2) पवन

(4) विद्‌यालय

(ख) उचित संधि है-

(1) अति+अंत=अतयंत

(3) अति+अधिक=अत्यधिक

(2) परम+ईश्वर=परमईश्वर

(4) भोजन+आलय=भोजानालय

(ग) महर्षि उदाहरण है-

(1) स्वर संधि का

(3) गुण संधि का

(2) वृद्‌धि संधि का

(4) यण संधि का

(घ) आशीः+वाद का संधि होगा-

(1) आशिर्वाद

(3) आशीरवाद

(2) आशीर्वाद

(4) आशीबाद

प्रश्न 3 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए- **1X2=2**

(क) सोने का पिंजरा भी पक्षियों को क्यों नहीं पसंद आता है?

(1) वो खुले आसमान में उड़ना चाहते हैं

(2) क्योंकि उनकी आज़ादी छिन जाती है

(3) क्योंकि कैदी के रूप में नहीं रहते

(4) उपर्युक्त सभी

(ख) बेतवा नदी को किसकी प्रेयसी के रूप में चित्रित किया गया है?

(1) यक्ष की

(3) कालिदास की

(2) मेघदूत की

(4) हिमालय की

प्रश्न 4 नीचे दिए गए सभी प्रश्नों का उत्तर दो से तीन पंक्तियों में लिखिए- **2X3=6**

(1) नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफी पुरानी है लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं?

(2) काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

(3) लेखक नदियों को हिमालय की बेटी क्यों कहते हैं ?

प्रश्न 5 नीचे दिए गए सभी प्रश्नों का उत्तर दो से तीन पंक्तियों में लिखिए- **2X2=4**

(1) पक्षियों को पालना उचित है अथवा नहीं? अपने विचार लिखिए।

(2) अपनी किन इच्छाओं को पूरा करने के लिए पिंजरे से आज़ाद होने के लिए व्याकुल है?